



Vedanta IAS Academy

India's No.1 Institute For UPSC Exam

Test - 10 (राजव्यवस्था) उत्तर कुंजी, व्याख्या सहित

1. सही उत्तर: (c) केवल 1 और 3

व्याख्या: अनुच्छेद 355 केंद्र को 'शक्ति' के साथ-साथ 'कर्तव्य' भी देता है। यह अनुच्छेद 356 से स्वतंत्र है; अर्थात् केंद्र बिना राज्य सरकार को बर्खास्त किए भी वहां की सुरक्षा व्यवस्था का दायित्व संभाल सकता है। मणिपुर के मामले में केंद्र ने इसी शक्ति का उपयोग किया है।

2. सही उत्तर: (b) केवल 2

व्याख्या: उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि अनुच्छेद 200 में प्रयुक्त शब्द 'यथाशीघ्र' का अर्थ है कि राज्यपाल की शक्तियां असीमित समय के लिए नहीं हैं। यदि सदन विधेयक को दोबारा पारित कर देता है, तो राज्यपाल को अपनी सहमति देनी ही पड़ती है (अनुच्छेद 200 का परंतुक)।

3. सही उत्तर: (d) 1, 2, 3 और 4

व्याख्या: GST परिषद सहकारी संघवाद का उदाहरण है। चूंकि निर्णय के लिए 75% बहुमत चाहिए और केंद्र के पास 33.3% मत हैं, अतः केंद्र की सहमति के बिना कोई भी निर्णय पारित नहीं हो सकता। इसी प्रकार, राज्य भी बिना केंद्र के सहयोग के निर्णय नहीं ले सकते।

4. सही उत्तर: (b)

व्याख्या: केंद्र ने कैडर नियम 1954 में संशोधन का प्रस्ताव दिया है, जिसमें कहा गया है कि यदि केंद्र और राज्य के बीच किसी अधिकारी की सेवा को लेकर असहमति होती है, तो केंद्र का निर्णय प्रभावी होगा। राज्य इसे संघवाद पर प्रहार मान रहे हैं क्योंकि इससे राज्यों का अपने अधिकारियों पर नियंत्रण कम हो जाएगा।

5. सही उत्तर: (a) A-2, B-3, C-4, D-1

व्याख्या:

1. अनुच्छेद 249 (A-2): यह अनुच्छेद राज्यसभा को एक विशेष शक्ति देता है। यदि राज्यसभा उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के दो-तिहाई बहुमत से यह संकल्प पारित कर दे कि 'राष्ट्रहित' में यह आवश्यक है, तो संसद राज्य सूची के किसी भी विषय पर कानून बना सकती है। (यह संघवाद के अपवाद स्वरूप है)।

2. अनुच्छेद 257 (B-3): प्रशासनिक संबंधों के अंतर्गत, यह अनुच्छेद केंद्र को यह शक्ति देता है कि वह राज्यों को ऐसे निर्देश दे सके जो केंद्र की कार्यपालिका शक्ति के प्रयोग में बाधा न डालें। इसमें सैन्य महत्व के संचार साधनों के रखरखाव के निर्देश भी शामिल हैं।

3. अनुच्छेद 262 (C-4): यह वर्तमान में अत्यधिक चर्चा में रहता है (जैसे कावेरी या यमुना जल विवाद)। इसके तहत संसद कानून बनाकर अंतर-राज्यीय नदियों या नदी घाटियों के जल के उपयोग, वितरण या नियंत्रण से संबंधित विवादों के निपटारे के लिए विशेष अधिकरण बना सकती है।

4. अनुच्छेद 275 (D-1): वित्तीय संबंधों के तहत, यह संसद को अधिकार देता है कि वह उन राज्यों को भारत की 'संचित निधि' से अनुदान प्रदान करे जिन्हें वित्तीय सहायता की आवश्यकता है।

6. सही उत्तर: (b) केवल 2 और 3

व्याख्या: कथन 1 गलत है: अनुच्छेद 249 के तहत राज्यसभा को 'साधारण बहुमत' नहीं बल्कि 'विशेष बहुमत' (उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के दो-तिहाई) से संकल्प पारित करना होता है।

कथन 2 और 3 सही हैं: ऐसा संकल्प एक बार में केवल एक वर्ष के लिए वैध होता है, लेकिन इसे कितनी भी बार बढ़ाया जा सकता है। संकल्प की समाप्ति के 6 माह बाद संसद द्वारा बनाया गया वह कानून भी निष्प्रभावी हो जाता है।

7. सही उत्तर: (b) A-2, B-1, C-4, D-3

व्याख्या:

अनुच्छेद 262: नदी जल विवादों के निपटारे के लिए विशेष प्रावधान।

अनुच्छेद 263: केंद्र-राज्य और राज्यों के बीच समन्वय हेतु परिषद।

अनुच्छेद 261: एक राज्य के सार्वजनिक दस्तावेजों को दूसरे राज्य में मान्यता देना।

अनुच्छेद 282: संघ या राज्य किसी भी सार्वजनिक उद्देश्य के लिए अनुदान दे सकते हैं (भले ही वह उनकी विधायी शक्ति के बाहर हो)।

8. सही उत्तर: (b) केवल 2

व्याख्या: कथन 1 गलत है: यदि विधानसभा दोबारा विधेयक पारित कर देती है, तो राज्यपाल अपनी सहमति देने के लिए संवैधानिक रूप से बाध्य है।

कथन 2 सही है: राज्यपाल मुख्य रूप से एक संवैधानिक प्रमुख है जो मंत्रिपरिषद की सलाह पर कार्य करता है, केवल कुछ विशिष्ट अपवादों को छोड़कर।

9. सही उत्तर: (c) केवल 3

व्याख्या: पुंछी आयोग ने सिफारिश की थी कि राज्यपाल की नियुक्ति के लिए एक समिति होनी चाहिए जिसमें प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, लोकसभा अध्यक्ष और संबंधित राज्य के मुख्यमंत्री शामिल हों (CJI नहीं)।

• आयोग ने अनुच्छेद 355 और 356 के 'स्थानीय आपातकाल' के रूप में उपयोग का समर्थन किया था, न कि इसे सीमित करने का।

10. सही उत्तर: (b) केवल 1 और 4

व्याख्या: कथन 1 और 4 अनिवार्य हैं: ग्राम सभा का गठन और राज्य चुनाव आयोग की स्थापना अनिवार्य प्रावधान हैं।

• कथन 2 गलत है: माध्यमिक (Block) और जिला स्तर के अध्यक्षों का चुनाव अप्रत्यक्ष (Indirect) रूप से होना अनिवार्य है, प्रत्यक्ष नहीं। केवल ग्राम पंचायत के अध्यक्ष का चुनाव राज्य विधानमंडल तय करता है।

• कथन 3 स्वैच्छिक है: पिछड़े वर्गों (OBCs) के लिए आरक्षण देना राज्य सरकार का स्वैच्छिक निर्णय है, जबकि SC/ST और महिलाओं (1/3) के लिए आरक्षण अनिवार्य है।

11. सही उत्तर: (b) केवल 1 और 2

व्याख्या: कथन 1 और 2 सही हैं: PESA अधिनियम जनजातीय समुदायों को स्वशासन का अधिकार देता है और उन्हें लघु वनोपज का मालिक बनाता है।

• कथन 3 गलत है: PESA के तहत अनुसूचित क्षेत्रों में लघु खनिजों के लिए खनन लाइसेंस या पट्टा प्राप्त करने हेतु ग्राम सभा या पंचायतों की पूर्व सिफारिश अनिवार्य है।

12. सही उत्तर: (d) 1, 2 और 3

व्याख्या: ये तीनों कथन सही हैं। DPC का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी योजनाओं को एकीकृत करना है। इसके 80% (4/5) सदस्य स्थानीय निकायों के निर्वाचित प्रतिनिधि होते हैं, जो लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण



Vedanta IAS Academy

India's No.1 Institute For UPSC Exam

का प्रतीक है।

13. सही उत्तर: (a)

व्याख्या: विकल्प (a) सत्य है: अनुच्छेद 243-I और 243-Y के तहत राज्यपाल हर 5 साल में इसका गठन करता है।

- विकल्प (b) गलत है: इसकी सिफारिशें सलाहकार प्रकृति की होती हैं।
- विकल्प (c) गलत है: यह पंचायतों और नगर पालिकाओं दोनों के लिए कार्य करता है।
- विकल्प (d) गलत है: सदस्यों की योग्यता निर्धारित करने की शक्ति राज्य विधानमंडल के पास है, संविधान में यह वर्णित नहीं है।

14. सही उत्तर: (d) 1, 2 और 3

• **व्याख्या:** छावनी बोर्ड शहरी स्वशासन का एक विशिष्ट रूप है। अन्य निकायों के विपरीत, यह रक्षा मंत्रालय के अधीन आता है। इसमें निर्वाचित और नामांकित दोनों सदस्य होते हैं। हाल ही में कई छावनी क्षेत्रों को नागरिक निकायों में विलय करने की चर्चा के कारण यह विषय अत्यंत महत्वपूर्ण है।

15. सही उत्तर: (b) केवल 3

व्याख्या:

- कथन 1 गलत है: अनुच्छेद 142 न्यायालय को अपार शक्तियां देता है, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने स्वयं 'सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन बनाम भारत संघ' मामले में स्पष्ट किया है कि इस शक्ति का प्रयोग मौलिक अधिकारों या वैधानिक कानूनों के मूल ढांचे की अनदेखी करने के लिए नहीं किया जा सकता।
- कथन 2 गलत है: अनुच्छेद 142 के तहत न्यायालय द्वारा दिया गया आदेश संपूर्ण भारत के राज्यक्षेत्र में लागू और बाध्यकारी होता है।
- कथन 3 सही है: चंडीगढ़ मेयर चुनाव (2024) में चुनावी अनियमितताओं को देखते हुए न्यायालय ने अनुच्छेद 142 का उपयोग कर सीधे न्याय सुनिश्चित किया था।

16. सही उत्तर: (a) केवल 1

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: उच्चतम न्यायालय केवल मौलिक अधिकारों के उल्लंघन पर रिट जारी कर सकता है, जबकि उच्च न्यायालय मौलिक अधिकारों के साथ-साथ 'अन्य कानूनी उद्देश्यों' के लिए भी रिट जारी कर सकता है।
- कथन 2 गलत है: यदि कार्रवाई का कारण आंशिक रूप से भी उच्च न्यायालय के क्षेत्राधिकार में हुआ है, तो वह अपने क्षेत्र से बाहर स्थित प्राधिकारी को भी रिट जारी कर सकता है।
- कथन 3 गलत है: अनुच्छेद 227 के तहत उच्च न्यायालय को अपने अधीनस्थ न्यायालयों पर न्यायिक और प्रशासनिक दोनों प्रकार के अधीक्षण की शक्ति प्राप्त है।

17. सही उत्तर: (b)

व्याख्या:

- विकल्प (a) गलत है: 2023 के नए कानून ने चयन समिति से CJI को हटा दिया है। अब समिति में PM, एक कैबिनेट मंत्री और विपक्ष के नेता शामिल हैं।
- विकल्प (b) सत्य है: यही नई चयन प्रक्रिया का आधार है।
- विकल्प (c) गलत है: कार्यकाल 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक होता है।
- विकल्प (d) गलत है: मुख्य निर्वाचन आयुक्त को केवल उसी रीति और आधारों पर हटाया जा सकता है जिस तरह उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश को (अर्थात महाभियोग जैसी प्रक्रिया)।

18. सही उत्तर: (d) 1, 2 और 3

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: यह धारा 8(3) के अंतर्गत आता है। हाल ही में कई सांसदों की सदस्यता इसी आधार पर गई है। अयोग्यता जेल की अवधि + जेल से बाहर आने के बाद 6 वर्ष तक रहती है।
- कथन 2 सही है: यह RPA, 1951 की धारा 9 के तहत प्रावधान है।
- कथन 3 सही है: धारा 10A के तहत चुनाव आयोग को यह शक्ति प्राप्त है।

19. सही उत्तर: (d) 1, 2 और 3

व्याख्या:

- ये तीनों कथन सत्य हैं। जिला न्यायालयों का यह द्वि-स्तरीय विभाजन भारत की विधिक व्यवस्था का आधार है। सत्र न्यायालय द्वारा दिए गए मृत्युदंड को लागू करने से पहले उच्च न्यायालय की अनुमति लेना अभियुक्त के अधिकारों की रक्षा के लिए अनिवार्य है।

20. सही उत्तर: (d) 1, 2 और 3

व्याख्या:

- कथन 1 सही है: न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि राज्यपाल अपनी शक्तियों का प्रयोग करके लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित नहीं कर सकता। 'यथाशीघ्र' शब्द का अर्थ है कि बिना किसी अनावश्यक विलंब के निर्णय लिया जाए।
- कथन 2 सही है: न्यायालय ने व्यवस्था दी कि यदि राज्यपाल सहमति रोकता है, तो उसे विधेयक वापस भेजना ही होगा ताकि विधायिका उस पर फिर से विचार कर सके। वह विधेयक को केवल 'मृत' नहीं छोड़ सकता।
- कथन 3 सही है: अनुच्छेद 200 के परंतुक के अनुसार, पुनर्विचार के बाद पारित विधेयक पर राज्यपाल की सहमति अनिवार्य है।

21. सही उत्तर: (b) केवल 3

व्याख्या:

- कथन 1 गलत है: यद्यपि अनुच्छेद 163 राज्यपाल को विवेक की शक्ति देता है, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने बार-बार कहा है कि राज्यपाल की विवेकाधीन शक्तियां मनमानी नहीं हो सकतीं और वे न्यायिक समीक्षा के दायरे में आती हैं।
- कथन 2 गलत है: यदि किसी दल के पास स्पष्ट बहुमत है, तो राज्यपाल उस दल के नेता को आमंत्रित करने के लिए बाध्य है। विवेक का प्रयोग केवल 'त्रिशंकु विधानसभा' की स्थिति में ही किया जा सकता है।
- कथन 3 सही है: नबाम रेबिया फैसले ने राज्यपाल की शक्तियों को सीमित किया और स्पष्ट किया कि वह राज्य सरकार के समानांतर प्रशासन नहीं चला सकता।

22. सही उत्तर: (d)

व्याख्या:

- विकल्प (a), (b) और (c) सत्य हैं: न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि 'प्रसादपर्यंत' का अर्थ मनमानी नहीं है और पुंछी आयोग ने कार्यकाल की सुरक्षा के लिए महाभियोग का सुझाव दिया था।
- विकल्प (d) असत्य है: संविधान में केवल दो योग्यताएं दी गई हैं: (1) वह भारत का नागरिक हो और (2) उसकी आयु 35 वर्ष पूर्ण हो चुकी हो। वह 'बाहर का व्यक्ति' होना चाहिए, यह केवल एक संवैधानिक परंपरा है, अनिवार्य संवैधानिक योग्यता नहीं।

23. सही उत्तर: (b) केवल 2 और 3

व्याख्या:

- कथन 1 गलत है: सुप्रीम कोर्ट ने 2024 के ऐतिहासिक फैसले में 1998 के 'पी.वी. नरसिम्हा राव' मामले को पलट दिया है।



Vedanta IAS Academy

India's No.1 Institute For UPSC Exam

अब रिश्त लेंकर वोट देने पर कोई संवैधानिक सुरक्षा नहीं मिलेगी।

• **कथन 2 और 3 सही हैं:** न्यायालय ने स्पष्ट किया कि रिश्त लेना अपने आप में एक स्वतंत्र अपराध है और यह सदन की कार्यवाही का हिस्सा नहीं है।

24. सही उत्तर: (a) केवल 1

व्याख्या: कथन 1 सही है: अनुच्छेद 252 के तहत दो या अधिक राज्यों के अनुरोध पर संसद राज्य सूची पर कानून बना सकती है।

• **कथन 2 गलत है:** इस प्रकार बने कानून को केवल संसद ही संशोधित या निरस्त कर सकती है, राज्य विधानमंडल के पास यह शक्ति नहीं रहती।

25. सही उत्तर: (d)

व्याख्या: कथन (a) गलत है: राज्यसभा साधारण विधेयक को अनिश्चितकाल के लिए रोक सकती है (**संयुक्त बैठक का प्रावधान है**), जबकि विधान परिषद के पास केवल विलंबकारी शक्ति (**अधिकतम 4 माह**) है।

• **कथन (d) सत्य है:** अनुच्छेद 169 के तहत संसद राज्य विधान परिषद को समाप्त या गठित कर सकती है, जबकि राज्यसभा भारतीय संघ का अभिन्न और स्थायी हिस्सा है।

26. सही उत्तर: (c) केवल 1 और 3

व्याख्या: कथन 2 गलत है: अविश्वास प्रस्ताव को स्वीकार करने के लिए 50 सदस्यों के समर्थन की आवश्यकता होती है, 100 की नहीं।

• **कथन 1 और 3 सही हैं:** अनुच्छेद 75(3) कहता है कि मंत्रिपरिषद लोकसभा के प्रति सामूहिक रूप से उत्तरदायी है, इसलिए यह प्रस्ताव केवल लोकसभा में ही आता है।

27. सही उत्तर: (c)

व्याख्या: विकल्प (c) गलत है: समिति का अध्यक्ष विपक्ष से होगा, यह एक संसदीय परंपरा है जो 1967 से शुरू हुई थी। इसका उल्लेख संविधान या लोकसभा के नियमों में नहीं है। अन्य सभी विकल्प तथ्यात्मक रूप से सही हैं।

28. सही उत्तर: (a) केवल 1

व्याख्या:

• **कथन 1 सही है:** राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के निर्वाचन मंडल में मुख्य अंतर यही है कि उपराष्ट्रपति के चुनाव में मनोनीत सदस्य भी वोट देते हैं, लेकिन राज्यों की विधानसभाओं की कोई भूमिका नहीं होती।

• **कथन 2 गलत है:** उपराष्ट्रपति के लिए 20 प्रस्तावक और 20 अनुमोदक की आवश्यकता होती है। (50 प्रस्तावक/अनुमोदक राष्ट्रपति के लिए होते हैं)।

• **कथन 3 गलत है:** संविधान के अनुच्छेद 68(2) के अनुसार, रिक्ति होने पर चुनाव 'यथाशीघ्र' कराया जाना चाहिए। इसके लिए राष्ट्रपति की तरह 6 माह की कोई निश्चित समय-सीमा का उल्लेख नहीं है।

29. सही उत्तर: (d) 1, 2 और 3

व्याख्या:

• ये तीनों कथन संवैधानिक रूप से सटीक हैं। अनुच्छेद 64 और 65 के तहत, राष्ट्रपति के रूप में कार्य करते समय वह सभापति की भूमिका से अलग हो जाता है। अनुच्छेद 92 के अनुसार, हटाने की प्रक्रिया के दौरान वह पीठासीन नहीं होता लेकिन सदन का सदस्य न होने के बावजूद (पदेन सभापति होने के नाते) उसे बोलने का अधिकार प्राप्त है।

30. सही उत्तर: (b) केवल 1 और 2

व्याख्या:

• **कथन 1 सही है:** अनुच्छेद 67(b) के अनुसार राज्यसभा के तत्कालीन समस्त सदस्यों के बहुमत की आवश्यकता होती है।

• **कथन 2 सही है:** हाल ही में कई सांसदों के निलंबन के कारण यह चर्चा में रहा। सभापति के पास सदन की गरिमा बनाए रखने के लिए अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की व्यापक शक्तियां हैं।

• **कथन 3 गलत है:** अनुच्छेद 71 के तहत, राष्ट्रपति या उपराष्ट्रपति के चुनाव से संबंधित विवादों की जांच और निर्णय केवल उच्चतम न्यायालय द्वारा किया जाता है, चुनाव आयोग द्वारा नहीं।

31. सही उत्तर: (c) केवल 1 और 3

व्याख्या:

• **कथन 1 सही है:** शुरुआत में न्यायालय ने संसद को व्यापक शक्तियां दी थीं।

• **कथन 2 गलत है:** केशवानंद भारती मामले में न्यायालय ने कहा कि संसद संविधान में संशोधन तो कर सकती है, लेकिन वह इसके 'मूल ढांचे' को नष्ट नहीं कर सकती। अतः संसद की शक्ति सीमित है, असीमित नहीं।

• **कथन 3 सही है:** मिर्नर्वा मिल्स मामले ने संसद की शक्ति को सीमित करने और न्यायिक समीक्षा को मूल ढांचे के रूप में सुदृढ़ किया।

32. सही उत्तर: (b) केवल 2 और 3

व्याख्या:

• **कथन 1 गलत है:** सर्वोच्च न्यायालय ने अनुच्छेद 370 पर फैसले में स्पष्ट किया कि जम्मू-कश्मीर के पास भारत संघ में विलय के बाद कोई संप्रभुता शेष नहीं रही थी। संसद का कदम संवैधानिक रूप से वैध माना गया।

• **कथन 2 सही है:** न्यायालय ने कहा कि विवाह करने का अधिकार एक संवैधानिक या वैधानिक अधिकार हो सकता है, लेकिन यह मूल ढांचे के तहत एक स्वतः मौलिक अधिकार नहीं है।

• **कथन 3 सही है:** एस.आर. बोम्मई मामले में धर्मनिरपेक्षता को मूल ढांचे का अभिन्न अंग माना गया।

33. सही उत्तर: (b) केवल 2

व्याख्या:

• **कथन 1 गलत है:** भारतीय संविधान में 'न्यायिक समीक्षा' शब्द का कहीं भी स्पष्ट उल्लेख नहीं है। यह अनुच्छेद 13, 32, 131-136, 226 आदि की निहित शक्तियों से उत्पन्न होता है।

• **कथन 2 सही है:** कोहिलो केस ने स्पष्ट किया कि नौवीं अनुसूची संसद के लिए कोई 'कवच' नहीं है जिसे न्यायिक समीक्षा से छूट प्राप्त हो, बशर्ते वह कानून मूल ढांचे को नुकसान पहुंचाता हो।

34. सही उत्तर: (d) 1, 2, 3, 4 और 5

व्याख्या: ये सभी तत्व अलग-अलग निर्णयों (जैसे इंदिरा गांधी बनाम राज नारायण, केशवानंद भारती आदि) के माध्यम से मूल ढांचे का हिस्सा बनाए गए हैं।

35. सही उत्तर: (c)

व्याख्या:

• **विकल्प (c) सत्य है:** वामन राव मामले ने एक 'कट-ऑफ' तारीख (24 अप्रैल 1973) तय की थी।

• **विकल्प (a) गलत है:** संसद किसी भी प्रक्रिया से मूल ढांचे को संशोधित नहीं कर सकती।

• **विकल्प (b) गलत है:** यह सिद्धांत पूर्णतः न्यायिक नवाचार है, मूल संविधान में इसका उल्लेख नहीं था।



Vedanta IAS Academy

India's No.1 Institute For UPSC Exam

• **विकल्प (d) गलत है:** न्यायालय ने कभी भी कोई अंतिम सूची जारी नहीं की है; यह मामले दर मामले विकसित होता है।

36. सही उत्तर: (b) A-2, B-1, C-4, D-3

व्याख्या:

- **101वां संशोधन (2016):** इसके द्वारा भारत में अप्रत्यक्ष कर प्रणाली में सुधार हेतु GST लागू किया गया।
- **102वां संशोधन (2018):** अनुच्छेद 338B जोड़कर पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया गया।
- **103वां संशोधन (2019):** अनुच्छेद 15(6) और 16(6) जोड़कर EWS आरक्षण का प्रावधान किया गया।
- **106वां संशोधन (2023):** यह सबसे नवीनतम है, जो लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33% सीटें आरक्षित करता है। (नोट: यह जनगणना और परिसीमन के बाद लागू होगा)।

37. सही उत्तर: (c) केवल 4

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** संशोधन विधेयक किसी भी सदन में पेश किया जा सकता है।
- **कथन 2 गलत है:** इसके लिए राष्ट्रपति की पूर्व सिफारिश की आवश्यकता नहीं होती।
- **कथन 3 गलत है:** संविधान संशोधन के मामले में संयुक्त बैठक का कोई प्रावधान नहीं है। प्रत्येक सदन को इसे अलग-अलग पारित करना अनिवार्य है।
- **कथन 4 सही है:** 24वें संविधान संशोधन (1971) द्वारा यह अनिवार्य कर दिया गया कि राष्ट्रपति संशोधन विधेयक पर सहमति देगा ही।

38. सही उत्तर: (d) 1, 2 और 3

व्याख्या: ये तीनों संशोधन भारतीय राजनीति के मील के पत्थर हैं। 42वें संशोधन ने आपातकाल के दौरान संविधान में व्यापक बदलाव किए थे, जिन्हें 44वें संशोधन द्वारा काफी हद तक संतुलित किया गया। 52वां संशोधन राजनीतिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए लाया गया था।

39. सही उत्तर: (b)

व्याख्या:

- **विकल्प (b) सत्य है:** संघीय ढांचे से जुड़े मुद्दों (जैसे राष्ट्रपति का चुनाव, केंद्र-राज्य संबंध) के लिए संसद के विशेष बहुमत के साथ आधे राज्यों की साधारण सहमति चाहिए होती है।
- **विकल्प (a) गलत है:** दो-तिहाई नहीं, केवल आधे राज्यों की आवश्यकता होती है।
- **विकल्प (c) गलत है:** मौलिक अधिकारों में संशोधन केवल संसद के विशेष बहुमत से होता है, राज्यों की भूमिका नहीं होती।
- **विकल्प (d) गलत है:** नए राज्यों का गठन (अनुच्छेद 3) साधारण विधायी प्रक्रिया है, इसे अनुच्छेद 368 के तहत संशोधन नहीं माना जाता।

40. सही उत्तर: (c) केवल 1 और 3

व्याख्या: निजता का अधिकार मौलिक अधिकार तो है, लेकिन यह पूर्ण नहीं है। इसे राज्य की सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था आदि के आधार पर 'उचित प्रतिबंधों' के अधीन रखा जा सकता है।

41. सही उत्तर: (d) 1, 2 और 3

व्याख्या: 86वें संविधान संशोधन (2002) द्वारा शिक्षा को इन तीनों स्थानों पर जोड़ा गया था, जिससे यह एक अद्वितीय त्रिपक्षीय संवैधानिक

सुरक्षा प्राप्त विषय बन गया है।

42. सही उत्तर: (a) A-2, B-1, C-4, D-3

व्याख्या: हाल ही में उत्तराखंड द्वारा UCC लागू करने के कारण अनुच्छेद 44 चर्चा में रहा है। अनुच्छेद 48A को 42वें संशोधन द्वारा जोड़ा गया था।

43. सही उत्तर: (b) केवल 2 और 3

व्याख्या: न्यायालय ने 'मौलिक अधिकारों और DPSP' को एक ही रथ के दो पहिए माना था। केवल अनुच्छेद 39(b) और (c) को ही अनुच्छेद 14 और 19 पर प्राथमिकता दी जा सकती है।

44. सही उत्तर: (a) केवल 1, 2 और 4

व्याख्या: मौलिक कर्तव्य केवल भारतीय नागरिकों के लिए हैं, विदेशियों के लिए नहीं। वर्मा समिति (1999) ने कुछ कर्तव्यों को लागू करने के लिए कानूनी प्रावधानों की पहचान की थी।

45. सही उत्तर: (b) केवल 1, 2 और 3

व्याख्या: केशवानंद भारती मामले के अनुसार, संविधान संशोधन (Art 368) अनुच्छेद 13 के तहत 'विधि' नहीं है। हालांकि, यदि संशोधन मूल ढांचे का उल्लंघन करता है, तो उसे चुनौती दी जा सकती है।

46. सही उत्तर: (d) 1, 2 और 3

व्याख्या: ये तीनों बिंदु आधुनिक भारत की संवैधानिक स्थिति को स्पष्ट करते हैं। 97वें संशोधन ने सहकारी समितियों को मौलिक अधिकार बनाया था।

47. सही उत्तर: (d) 1, 2 और 3

व्याख्या: कथन 1 और 2 सही हैं: न्यायालय ने माना कि असम के लिए 25 मार्च 1971 की कट-ऑफ तारीख तर्कसंगत है क्योंकि इसी दिन बांग्लादेश मुक्ति युद्ध (ऑपरेशन सर्चलाईट) शुरू हुआ था।
• **कथन 3 सही है:** बहुमत के फैसले में कहा गया कि संविधान का अनुच्छेद 29 (संस्कृति की रक्षा) राज्य को अवैध प्रवास को रोकने का निर्देश तो देता है, लेकिन यह नागरिकता प्रदान करने की संसद की शक्ति को बाधित नहीं करता।

48. सही उत्तर: (c)

व्याख्या: विकल्प (c) असत्य है: CAA के प्रावधान छठी अनुसूची (असम, मेघालय, मिजोरम, त्रिपुरा) के जनजातीय क्षेत्रों और 'इनर लाइन परमिट' (ILP) वाले राज्यों पर लागू नहीं होते। अन्य सभी विकल्प अधिनियम के वास्तविक प्रावधानों के अनुरूप हैं।

49. सही उत्तर: (a) केवल 1 और 2

व्याख्या: कथन 1 सही है: उन्हें वीजा की सुविधा मिलती है लेकिन वे चुनाव नहीं लड़ सकते, वोट नहीं दे सकते और न ही सार्वजनिक पद धारण कर सकते हैं।

• **कथन 2 सही है:** सरकार ने हाल ही में ओसीआई पंजीकरण रद्द करने की शक्तियों को अधिक सख्त किया है।

• **कथन 3 गलत है:** ओसीआई कार्डधारकों को भारत में कृषि भूमि, फार्म हाउस या बागान संपत्ति खरीदने की अनुमति नहीं है; वे केवल आवासीय और वाणिज्यिक संपत्ति खरीद सकते हैं।

50. सही उत्तर: (c) केवल 1 और 3

व्याख्या:

• **कथन 1 सही है:** हाल ही में उच्चतम न्यायालय में इन शब्दों की



Vedanta IAS Academy

India's No.1 Institute For UPSC Exam

वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाएं चर्चा में रही हैं।

- **कथन 2 गलत है:** 42वें संशोधन द्वारा तीन शब्द जोड़े गए थे- समाजवादी (Socialist), पंथनिरपेक्ष (Secular) और अखंडता (Integrity)।
- **कथन 3 सही है:** यह एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक तथ्य है कि प्रस्तावना को शेष संविधान के पारित होने के बाद अपनाया गया था।

51. सही उत्तर: (b) A-2, B-3, C-1

व्याख्या:

- **बेरुबारी संघ:** न्यायालय ने कहा था कि प्रस्तावना निर्माताओं के विचारों को जानने की कुंजी तो है, पर संविधान का अंग नहीं है।
- **केशवानंद भारती:** न्यायालय ने अपने पुराने फैसले को पलटते हुए इसे संविधान का अंग माना।
- **LIC मामला:** न्यायालय ने पुनः पुष्टि की कि प्रस्तावना संविधान का एक 'आंतरिक हिस्सा' है।

52. सही उत्तर: (d) 1, 2 और 3

व्याख्या: ये तीनों कथन ऐतिहासिक और वैधानिक रूप से सटीक हैं। प्रस्तावना में न्याय का आदर्श सामाजिक-आर्थिक लोकतंत्र सुनिश्चित करता है, जबकि स्वतंत्रता का आदर्श व्यक्तिगत विकास के लिए अवसर प्रदान करता है।

53. सही उत्तर: (b)

व्याख्या:

- **विकल्प (b) सत्य है:** प्रस्तावना 'न्यायसंगत' नहीं है।
- **विकल्प (a) गलत है:** यह न तो शक्ति का स्रोत है और न ही शक्तियों पर प्रतिबंध लगाती है।
- **विकल्प (c) गलत है:** प्रस्तावना में अब तक केवल एक बार (1976 में) संशोधन हुआ है।
- **विकल्प (d) गलत है:** भारत एक 'लोकतांत्रिक गणराज्य' है।

54. सही उत्तर: (d) 1, 2 और 3

व्याख्या: ये तीनों कथन ऐतिहासिक रूप से सही हैं। 1773 के एक्ट ने भारत में केंद्रीय प्रशासन की नींव रखी। 1833 के एक्ट ने लॉर्ड विलियम बेंटिक को भारत का प्रथम गवर्नर जनरल बनाया। 1853 के एक्ट ने पहली बार 'भारतीय (केंद्रीय) विधान परिषद' की स्थापना की।

55. सही उत्तर: (a) A-2, B-3, C-1, D-4

व्याख्या: भारत ने एक सशक्त केंद्र वाली संघीय व्यवस्था कनाडा से ली है। संसदीय प्रणाली ब्रिटेन से, नीति निर्देशक तत्व और राष्ट्रपति चुनाव की विधि आयरलैंड से, तथा संशोधन प्रक्रिया दक्षिण अफ्रीका से ग्रहण की है।

56. सही उत्तर: (c) केवल 3

- व्याख्या:** कथन 1 गलत है: इसने प्रांतों में द्वैध शासन समाप्त किया और केंद्र में लागू करने का प्रस्ताव दिया।
- **कथन 2 गलत है:** रियासतों का संघ में शामिल होना स्वैच्छिक था, और चूंकि रियासतें शामिल नहीं हुईं, इसलिए यह संघ कभी अस्तित्व में नहीं आया।
 - **कथन 3 सही है:** यह हमारे संविधान का मुख्य ढांचागत स्रोत है।

57. सही उत्तर: (d)

व्याख्या: विकल्प (d) गलत है: 'प्रांतीय संविधान समिति' के अध्यक्ष सरदार वल्लभभाई पटेल थे। डॉ. अंबेडकर 'प्रारूप समिति' के अध्यक्ष थे। अन्य सभी युग्म सही सुमेलित हैं।

58. सही उत्तर: (b) केवल 3

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** संसदीय प्रणाली में विधायिका और कार्यपालिका के बीच समन्वय और सहयोग होता है, न कि कड़ा पृथक्करण। शक्तियों का कड़ा पृथक्करण 'अध्यक्षीय प्रणाली' (जैसे अमेरिका) की विशेषता है।
- **कथन 2 गलत है:** भारत में 'संसदीय संप्रभुता' (ब्रिटिश सिद्धांत) के बजाय 'संविधान की सर्वोच्चता' और 'न्यायिक समीक्षा' का सिद्धांत लागू होता है। संसद की शक्तियाँ संविधान द्वारा सीमित हैं।
- **कथन 3 सही है:** अनुच्छेद 75(3) के अनुसार, मंत्रिपरिषद सामूहिक रूप से लोकसभा के प्रति उत्तरदायी होती है, जो भारतीय राजनीतिक व्यवस्था का आधार है।

59. सही उत्तर: (b) केवल 2 और 3

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** संविधान में कहीं भी 'संघवाद' शब्द का प्रयोग नहीं किया गया है। अनुच्छेद 1 भारत को 'राज्यों का संघ' कहता है। डॉ. अंबेडकर के अनुसार, भारतीय संघ राज्यों के बीच किसी समझौते का परिणाम नहीं है।
- **कथन 2 सही है:** ये सभी विशेषताएँ केंद्र को अधिक शक्तिशाली बनाती हैं, जो एकात्मक लक्षण हैं।
- **कथन 3 सही है:** यह भारतीय संविधान की एक अनूठी विशेषता है कि संकट काल में यह अपने ढांचे को पूरी तरह बदल लेता है।

60. सही उत्तर: (b) केवल 2 और 3

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** उदारवादी लोकतंत्र केवल बहुमत का शासन नहीं है, बल्कि यह अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के बारे में भी है। इसमें बहुमत को मनमानी करने की शक्ति नहीं होती।
- **कथन 2 और 3 सही हैं:** उदारवाद का मूल आधार ही यह है कि सरकार की शक्तियाँ संविधान द्वारा सीमित होनी चाहिए ताकि व्यक्ति की स्वतंत्रता सुरक्षित रहे।

61. सही उत्तर: (b) केवल 1 और 3

व्याख्या:

- **युग्म 1 और 3 सही सुमेलित हैं:** ये क्रमशः 'एरिस्टोक्रेसी' और 'थियोक्रेसी' की सटीक परिभाषाएं हैं।
- **युग्म 2 गलत है:** ओक्लोक्रेसी का अर्थ 'भीड़तंत्र' होता है, जहाँ कानून और व्यवस्था के बजाय भीड़ की भावनाओं से शासन चलता है। प्रत्यक्ष लोकतंत्र के लिए 'Direct Democracy' शब्द का प्रयोग होता है।

62. सही उत्तर: (d) 1, 2 और 3

व्याख्या:

- ये तीनों कथन राजनीतिक विज्ञान के आधारभूत सिद्धांतों के अनुसार सत्य हैं। भारत में संसदीय प्रणाली है जहाँ प्रधानमंत्री (वास्तविक प्रमुख) संसद के प्रति जवाबदेह है, जबकि अमेरिका में अध्यक्षीय प्रणाली है जहाँ राष्ट्रपति विधायिका के प्रति जवाबदेह नहीं होता और उसका कार्यकाल (4 वर्ष) निश्चित होता है।

63. सही उत्तर: (c) केवल 1 और 3

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** 'भारत का संघ' में केवल राज्य शामिल हैं, जबकि 'भारत के राज्य क्षेत्र' में राज्यों के साथ-साथ केंद्र शासित प्रदेश और वे क्षेत्र भी शामिल हैं जिन्हें भविष्य में अधिग्रहित किया जा सकता है।



Vedanta IAS Academy

India's No.1 Institute For UPSC Exam

- **कथन 2 गलत है:** अनुच्छेद 3 के तहत, राष्ट्रपति विधेयक को राज्य विधानमंडल के पास विचार के लिए भेजता है, लेकिन संसद उस राज्य की राय मानने के लिए बाध्य नहीं है। सहमति अनिवार्य नहीं है।
- **कथन 3 सही है:** ऐसे बदलावों को साधारण विधायी प्रक्रिया माना जाता है, न कि अनुच्छेद 368 के तहत संवैधानिक संशोधन।

64. सही उत्तर: (d) 1, 2 और 3

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** सीमाओं के विवाद का समाधान कार्यपालिका कर सकती है, लेकिन भूमि सौंपने के लिए संशोधन (जैसे 100वां संशोधन - भारत-बांग्लादेश सीमा समझौता) आवश्यक है।
- **कथन 2 सही है:** 2023 के फैसले में न्यायालय ने केंद्र के इस अधिकार को बरकरार रखा, हालांकि राज्य का दर्जा बहाल करने की सलाह भी दी।
- **कथन 3 सही है:** लद्दाख में वर्तमान में 'छठी अनुसूची' के तहत सुरक्षा की मांग इसी संवैधानिक ढांचे से संबंधित है।

65. सही उत्तर: (b) A-2, B-1, C-4, D-3

व्याख्या: CAG: अनुच्छेद 148 के तहत एक स्वतंत्र संवैधानिक प्राधिकरण है।

- **NCST:** 89वें संशोधन द्वारा अनुच्छेद 338A के तहत स्थापित।
- **GST Council:** 101वें संशोधन द्वारा अनुच्छेद 279A के तहत गठित।
- **NHRC:** यह एक विधिक निकाय है, जिसका गठन 'मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993' के तहत हुआ है, न कि संविधान के तहत।

66. सही उत्तर: (b) केवल 1 और 2

व्याख्या: कथन 1 और 2 सही हैं: अनुच्छेद 324 के अनुसार राष्ट्रपति संख्या तय करते हैं। तीनों आयुक्तों का दर्जा सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के बराबर होता है।

- **कथन 3 गलत है:** संविधान ने सेवानिवृत्त निर्वाचन आयुक्तों को सरकार के अधीन किसी अन्य पद पर नियुक्त होने से प्रतिबंधित नहीं किया है (यह UPSC का एक पसंदीदा 'ट्रैप' है)।

67. सही उत्तर: (a) केवल 1 और 2

व्याख्या: कथन 3 गलत है: नीति आयोग केवल एक 'थिंक टैंक' है। राज्यों को वित्तीय संसाधन आवंटित करने की शक्ति अब वित्त मंत्रालय और वित्त आयोग की सिफारिशों के पास है।

68. सही उत्तर: (b)

- व्याख्या:** विकल्प (b) सत्य है: 2019 के संशोधन के बाद केंद्र सरकार को कार्यकाल और वेतन तय करने की शक्तियाँ मिल गई हैं।
- **विकल्प (d) गलत है:** CIC एक विधिक निकाय है, संवैधानिक नहीं।

69. सही उत्तर: (b) केवल 1 और 2

व्याख्या: कथन 3 गलत है: महान्यायवादी का कार्यकाल संविधान द्वारा निश्चित नहीं है। वह राष्ट्रपति के 'प्रसादपर्यंत' पद धारण करता है।

70. सही उत्तर: (a) केवल 1 और 2

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** केंद्रीय गृह मंत्री सभी क्षेत्रीय परिषदों के अध्यक्ष होते हैं, जो केंद्र-राज्य समन्वय सुनिश्चित करते हैं।
- **कथन 2 सही है:** संबंधित क्षेत्र के राज्यों के मुख्यमंत्री बारी-बारी से उपाध्यक्ष बनते हैं।

- **कथन 3 गलत है:** पूर्वोत्तर परिषद का गठन एक अलग अधिनियम, 'पूर्वोत्तर परिषद अधिनियम, 1971' के तहत किया गया है। साथ ही, सिक्किम को 2002 में संशोधन के माध्यम से पूर्वोत्तर परिषद के आठवें सदस्य के रूप में शामिल किया गया था।

71. सही उत्तर: (c) केवल 1, 2 और 3

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** 89वें संशोधन ने NCSC (अनुच्छेद 338) और NCST (अनुच्छेद 338A) को अलग-अलग संवैधानिक निकायों के रूप में स्थापित किया।
- **कथन 2 सही है:** 102वें संशोधन ने NCBC को अनुच्छेद 338B के तहत संवैधानिक दर्जा दिया और उसे अनुच्छेद 338(8) के समान जांच की शक्तियाँ (सिविल कोर्ट की शक्तियाँ) प्रदान कीं।
- **कथन 3 सही है:** यह NCST के विशिष्ट कार्यों में से एक है, जो जनजातियों के जल, जंगल और जमीन के अधिकारों की रक्षा से संबंधित है।
- **कथन 4 गलत है:** इन आयोगों के अध्यक्ष और सदस्यों का कार्यकाल और सेवा की शर्तें संसद नहीं, बल्कि भारत के राष्ट्रपति द्वारा निर्धारित की जाती हैं। (नियुक्ति भी राष्ट्रपति द्वारा उनके हस्ताक्षर और मुहर वाले वारंट द्वारा की जाती है)।

72. सही उत्तर: (c) केवल 3

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** वर्तमान में जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश की विधानसभा को राष्ट्रपति के निर्वाचन मंडल में शामिल करने के लिए अभी तक संविधान के अनुच्छेद 54 में आवश्यक संशोधन या अधिसूचना प्रभावी नहीं हुई है (दिल्ली और पुडुचेरी को 70वें संशोधन द्वारा शामिल किया गया था)।
- **कथन 2 गलत है:** सर्वोच्च न्यायालय के अनुसार, किसी राज्य की विधानसभा भंग होने पर भी राष्ट्रपति का चुनाव नहीं रुकता; निर्वाचक मंडल में रिक्ति चुनाव को अमान्य नहीं करती।
- **कथन 3 सही है:** राष्ट्रपति चुनाव अधिनियम के तहत 50 प्रस्तावक और 50 अनुमोदक अनिवार्य हैं।

73. सही उत्तर: (c) केवल 1 और 3

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** अनुच्छेद 201 के तहत राज्य विधेयकों के मामले में राष्ट्रपति के पास असीमित समय तक निर्णय न लेने की शक्ति है।
- **कथन 2 गलत है:** 24वें संविधान संशोधन (1971) के बाद राष्ट्रपति के लिए संविधान संशोधन विधेयक पर अपनी सहमति देना अनिवार्य है।
- **कथन 3 सही है:** 'कूपर केस' और अन्य निर्णयों में स्पष्ट किया गया है कि अध्यादेश जारी करना मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह (Article 74) का हिस्सा है।

74. सही उत्तर: (b) केवल 2 और 3

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** संविधान 'संविधान के उल्लंघन' का आधार तो देता है, लेकिन इस वाक्यांश को संविधान में कहीं भी परिभाषित नहीं किया गया है।
- **कथन 2 सही है:** महाभियोग में मनोनीत सदस्य भी वोट देते हैं (जो चुनाव में नहीं देते)।
- **कथन 3 सही है:** 'राष्ट्रपति उत्तराधिकार अधिनियम, 1969' के तहत CJI और उनके न होने पर SC के वरिष्ठतम न्यायाधीश यह जिम्मेदारी निभाते हैं।



Vedanta IAS Academy

India's No.1 Institute For UPSC Exam

75. सही उत्तर: (c) केवल 1 और 3

व्याख्या: कथन 2 गलत है क्योंकि प्रधानमंत्री जिस सदन का सदस्य होता है, उसी सदन का नेता कहलाता है (जैसे मनमोहन सिंह राज्यसभा के नेता थे, लोकसभा के नहीं)। यदि वह राज्यसभा से है, तो लोकसभा के लिए वह एक अलग 'सदन का नेता' नामित करता है।

76. सही उत्तर: (c)

व्याख्या: सामूहिक जिम्मेदारी का अर्थ है 'एक साथ तैरना और एक साथ डूबना'। विकल्प (b) तकनीकी रूप से गलत है क्योंकि अविश्वास प्रस्ताव 'पूरी मंत्रिपरिषद' के खिलाफ लाया जाता है, न कि एक व्यक्ति के खिलाफ। विकल्प (c) इस सिद्धांत का मूल सार है।

77. सही उत्तर: (a) केवल 1 और 2 व्याख्या: कथन 3 गलत है। वास्तव में 'मंत्रिमंडल' की बैठकें अधिक नियमित होती हैं और वही सरकार के वास्तविक नीतिगत निर्णय लेता है। 'मंत्रिपरिषद' की बैठकें सामूहिक रूप से बहुत कम होती हैं।

78. सही उत्तर: (d) 1, 2 और 3 व्याख्या: अनुच्छेद 78 प्रधानमंत्री को राष्ट्रपति और मंत्रिपरिषद के बीच 'संवाद का मुख्य सेतु' बनाता है। ये तीनों बिंदु सीधे तौर पर इसी अनुच्छेद से लिए गए हैं।

79. सही उत्तर: (d) 1, 2 और 3

व्याख्या: 15% की सीमा और 12 की न्यूनतम संख्या (केंद्र के लिए विवादित है पर राज्यों के लिए स्पष्ट है, केंद्र में भी इसे मानक माना जाता है) महत्वपूर्ण तथ्य हैं।

80. सही उत्तर: (a) केवल 1 और 3 व्याख्या: कथन 2 गलत है क्योंकि राष्ट्रपति की शक्ति 'पूर्ण' नहीं है। वह केवल प्रधानमंत्री की सलाह पर ही किसी मंत्री को हटा सकता है। कथन 1 सही है क्योंकि भारत में राष्ट्रपति के आदेश पर मंत्री के हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं होती।

81. सही उत्तर: (b) केवल 1, 2 और 4

व्याख्या: कथन 3 गलत है: महिला आरक्षण का प्रावधान केवल प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित सदनों (लोकसभा और विधानसभा) के लिए है। यह राज्यसभा या विधान परिषदों पर लागू नहीं होता।

• अन्य सभी कथन संवैधानिक संशोधन के वास्तविक प्रावधानों के अनुरूप हैं। ध्यान दें कि यह आरक्षण जनगणना और परिसीमन के पश्चात ही प्रभावी होगा।

82. सही उत्तर: (c) केवल 1 और 3

व्याख्या: कथन 2 गलत है: लोकसभा अध्यक्ष के पास सदस्य को सीधे निलंबित करने की शक्ति (Rule 374A) है, लेकिन राज्यसभा के सभापति को सदस्य को निलंबित करने के लिए सदन में एक 'प्रस्ताव' (Motion) पारित करवाना होता है। सभापति स्वतः निलंबित नहीं कर सकता।

• कथन 1 और 3 सही हैं: संयुक्त बैठक में राज्यसभा का सभापति (उपराष्ट्रपति) कभी अध्यक्षता नहीं करता क्योंकि वह सदन का सदस्य नहीं होता।

83. सही उत्तर: (d) 1, 2 और 3

व्याख्या: यह 2024 का एक अत्यंत महत्वपूर्ण निर्णय है। न्यायालय ने माना कि विशेषाधिकार का उद्देश्य सांसदों को स्वतंत्र रूप से कार्य करने देना है, न कि उन्हें आपराधिक कानूनों से बचाना।

84. सही उत्तर: (b) केवल 2 और 3

व्याख्या: कथन 1 गलत है: राज्य विधेयकों के मामले में राष्ट्रपति सहमति देने के लिए बाध्य नहीं है, चाहे विधानमंडल उसे दोबारा ही क्यों न पारित कर दे (यह संसद के विधेयकों से भिन्न स्थिति है)।

• कथन 3 सही है: सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में तमिलनाडु और केरल के मामलों में राज्यपालों को 'यथाशीघ्र' शब्द का पालन करने का निर्देश दिया है।

85. सही उत्तर: (d) 1, 2 और 3

व्याख्या: ये सभी कथन संसदीय नियमों के अनुसार सत्य हैं। लोकसभा के विघटन का विधेयकों पर प्रभाव एक जटिल विषय है, जहाँ ये दोनों नियम (1 और 2) आधारभूत हैं।

86. सही उत्तर: (d) 1, 2 और 3 व्याख्या: ये तीनों कथन मुख्यमंत्री की स्थिति को स्पष्ट करते हैं। हालाँकि वह राज्यपाल के प्रसादपर्यंत पद धारण करता है, लेकिन राज्यपाल उसे तब तक बर्खास्त नहीं कर सकता जब तक उसके पास विधानसभा में बहुमत प्राप्त है।

87. सही उत्तर: (a) केवल 1 और 2 व्याख्या: कथन 3 तकनीकी रूप से गलत है क्योंकि मुख्यमंत्री केवल 'सलाह' देता है, 'अंतिम निर्णय' या 'आदेश' राज्यपाल के नाम से जारी होते हैं। अनुच्छेद 167 केवल सूचनाओं के आदान-प्रदान के कर्तव्यों से संबंधित है।

88. सही उत्तर: (d) 1, 2 और 3

व्याख्या: 15% की अधिकतम सीमा और 12 की न्यूनतम सीमा (छोटे राज्यों के लिए महत्वपूर्ण) 91वें संशोधन द्वारा तय की गई थी। दलबदल (10वीं अनुसूची) के तहत अयोग्य सदस्य तब तक मंत्री नहीं बन सकता जब तक वह पुनः निर्वाचित न हो जाए।

89. सही उत्तर: (b) केवल 2 और 3 व्याख्या: कथन 1 गलत है क्योंकि अनुच्छेद 164 स्पष्ट रूप से कहता है कि मंत्रिपरिषद सामूहिक रूप से केवल राज्य की विधानसभा के प्रति उत्तरदायी होती है, पूरे विधानमंडल के प्रति नहीं।

90. सही उत्तर: (d) व्याख्या: महाधिवक्ता की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा की जाती है। हालाँकि वह मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली मंत्रिपरिषद की सलाह पर ही ऐसा करता है, लेकिन संवैधानिक रूप से यह शक्ति राज्यपाल में निहित है और मुख्यमंत्री की यह शक्ति 'विवेकाधीन' नहीं है।

91. सही उत्तर: (a) केवल 1 और 2

व्याख्या:

• कथन 1 और 2 सही हैं: ये बदलाव 1975 के आपातकाल के दुरुपयोग को रोकने के लिए किए गए थे।

• कथन 3 गलत है: आपातकाल के उद्घोषणा प्रस्ताव को संसद के दोनों सदनों द्वारा 'विशेष बहुमत' (सदन की कुल सदस्यता का बहुमत और उपस्थित एवं मतदान करने वाले सदस्यों का दो-तिहाई) से पारित होना अनिवार्य है।

92. सही उत्तर: (a) केवल 2 और 3

व्याख्या:

• कथन 1 गलत है: 44वें संशोधन के बाद, राष्ट्रपति अनुच्छेद 20 और 21 के प्रवर्तन को किसी भी स्थिति में (आपातकाल के दौरान भी) निलंबित नहीं कर सकते।

• कथन 2 और 3 सही हैं: न्यायालय ने स्पष्ट किया कि यद्यपि राज्य



Vedanta IAS Academy

India's No.1 Institute For UPSC Exam

सुरक्षा के आधार पर इंटरनेट प्रतिबंधित कर सकता है, लेकिन यह प्रतिबंध अस्थायी और तार्किक होना चाहिए।

93. सही उत्तर: (b) केवल 2 और 3

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** बोम्मई मामले में SC ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रपति शासन की उद्घोषणा न्यायिक समीक्षा के अधीन है और न्यायालय 'प्रासंगिक सामग्री' की जांच कर सकता है।
- **कथन 2 और 3 सही हैं:** ये न्यायालय द्वारा राज्य सरकारों को केंद्र की मनमानी से बचाने के लिए स्थापित सुरक्षा उपाय हैं।

94. सही उत्तर: (b) केवल 2

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** भारत में आज तक कभी भी वित्तीय आपातकाल लागू नहीं हुआ है।
- **कथन 2 सही है:** यह केंद्र को राज्य की वित्तीय नीतियों पर नियंत्रण प्रदान करता है।
- **कथन 3 गलत है:** इसके अनुमोदन के लिए केवल 'साधारण बहुमत' की आवश्यकता होती है।

95. सही उत्तर: (c) 1 और 2 दोनों

व्याख्या:

- आधुनिक न्यायशास्त्र में न्यायालय ने माना है कि राज्य की शक्तियां असीमित नहीं हैं। पट्टास्वामी और अनुराधा भसीन जैसे निर्णयों ने यह सुदृढ़ किया है कि डिजिटल युग में 'सूचना का अधिकार' और 'निजता' जैसे अधिकार आपातकाल में भी सुरक्षा के पात्र हैं।

96. सही उत्तर: (c) केवल तीन युग्म

व्याख्या:

- **युग्म 1, 2 और 3 सही हैं:** महाभियोग USA से लिया गया है। राज्यसभा में राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत सदस्य (कला, साहित्य आदि से) आयरलैंड से लिए गए हैं, जबकि निर्वाचित सदस्यों की प्रक्रिया दक्षिण अफ्रीका से ली गई है।
- **युग्म 4 गलत है:** केंद्र द्वारा राज्यपालों की नियुक्ति का प्रावधान कनाडा के संविधान से लिया गया है, न कि ऑस्ट्रेलिया से। ऑस्ट्रेलिया से हमने 'समवर्ती सूची' और 'संसद की संयुक्त बैठक' ली हैं।

97. सही उत्तर: (b) केवल 1 और 2

व्याख्या:

- **कथन 1 और 2 सही हैं:** अनुच्छेद 21 में प्रयुक्त भाषा जापान से प्रेरित है, लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने अब इसमें अमेरिकी सिद्धांत 'Due Process' को भी समाहित कर लिया है।
- **कथन 3 गलत है:** 'विधि की उचित प्रक्रिया' मूल रूप से अमेरिकी संविधान की विशेषता है। ब्रिटेन में 'संसदीय संप्रभुता' के कारण केवल 'विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया' का महत्व अधिक है।

98. सही उत्तर: (b) केवल 1 और 2

व्याख्या:

- **कथन 1 और 2 सही हैं:** भारतीय संविधान का लगभग 60-70% ढांचागत हिस्सा 1935 के अधिनियम से आता है।
- **कथन 3 गलत है:** 1935 के अधिनियम में न तो कोई प्रस्तावना थी और न ही मौलिक अधिकार। प्रस्तावना का विचार अमेरिका से और इसकी भाषा ऑस्ट्रेलिया से ली गई है, जबकि मौलिक अधिकार अमेरिका के 'बिल ऑफ राइट्स' से प्रेरित हैं।

99. सही उत्तर: (b)

• **व्याख्या:** भारत के इतिहास में अब तक कुल 6 राष्ट्रपतियों ने पहले उपराष्ट्रपति के रूप में सेवा दी है:

1. डॉ. एस. राधाकृष्णन
2. डॉ. जाकिर हुसैन
<3. वी. वी. गिरि4. आर. वेंकटरमन
5. डॉ. शंकर दयाल शर्मा
6. के. आर. नारायणन

• श्री फखरुद्दीन अली अहमद कभी उपराष्ट्रपति नहीं रहे; वह सीधे राष्ट्रपति चुने गए थे। अतः कथन 3 गलत है।

100. सही उत्तर: (a) केवल 1, 2 और 3

व्याख्या:

• **कथन 1 सही है:** अप्रैल 2023 में भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा किए गए बदलावों के बाद, भारत में अब केवल 6 राष्ट्रीय दल बचे हैं।

• **कथन 2 सही है:** आम आदमी पार्टी (AAP) को दिल्ली, पंजाब, गोवा और गुजरात में उसके प्रदर्शन के आधार पर राष्ट्रीय दल का दर्जा दिया गया, जिससे यह इस सूची में शामिल होने वाली सबसे नई पार्टी बन गई।

• **कथन 3 सही है:** निर्वाचन आयोग ने प्रदर्शन में गिरावट के कारण शरद पवार की NCP, ममता बनर्जी की TMC और CPI का राष्ट्रीय दर्जा समाप्त कर दिया है।

• **कथन 4 गलत है:** कोई दल राष्ट्रीय दल तब बनता है जब वह कम से कम 4 राज्यों (न कि 5) में 'राज्य स्तरीय दल' के रूप में मान्यता प्राप्त कर ले।

वर्तमान में भारत की 6 राष्ट्रीय पार्टियाँ

1. भारतीय जनता पार्टी (BJP)
2. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC)
3. बहुजन समाज पार्टी (BSP)
4. भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) [CPI-M]
5. नेशनल पीपुल्स पार्टी (NPP) - (उत्तर-पूर्व की पहली पार्टी जिसे यह दर्जा मिला)
6. आम आदमी पार्टी (AAP)